

भमक धिमिरेको जीवन काँडा कि फूल निबन्ध कृतिको अध्ययन

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय अन्तर्गत
स्नातकोत्तर तह नेपाली दोस्रो वर्षको दसौँ पत्रको
प्रयोजनका लागि प्रस्तुत

शोधपत्र

शोधार्थी :

सीताराम धिमिरे

पाटन संयुक्त क्याम्पस

नेपाली शिक्षण समिति

स्नातकोत्तर कार्यक्रम

पाटनढोका, ललितपुर

२०६९

शोधनिर्देशक : माधव लम्साल

भ्रमक घिमिरेको जीवन काँडा कि फूल निबन्ध कृतिको अध्ययन

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय अन्तर्गत
स्नातकोत्तर तह नेपाली दोस्रो वर्षको दसौँ पत्रको
प्रयोजनका लागि प्रस्तुत

शोधपत्र

शोधार्थी :

सीताराम घिमिरे

क्रमाङ्क ४६/०६५/०६७

परीक्षा क्रमाङ्क : २२००६०

त्रि.वि दर्ता नं. ६-१-२२-४५९-९८

पाटन संयुक्त क्याम्पस

नेपाली शिक्षण समिति

स्नातकोत्तर कार्यक्रम

पाटनढोका, ललितपुर

२०६९

सिफारिस पत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्काय अन्तर्गत पाटन संयुक्त क्याम्पस, नेपाली शिक्षण समिति, स्नातकोत्तर कार्यक्रम, स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको दशौं पत्रको प्रयोजनका लागि शोधार्थी श्री सीताराम घिमिरेले भ्रमक घिमिरेको **जीवन काँडा कि फूल निबन्ध कृतिको अध्ययन** शीर्षकको शोधपत्र मेरो निर्देशनमा तयार गर्नु भएको हो । घिमिरेको निबन्ध सङ्ग्रहको अध्ययन शोधार्थी घिमिरेले गहन अध्ययनका साथ सम्पन्न गर्नु भएको छ । साहित्यका सबैजसो विधामा प्रखर रूपमा प्रस्तुत हुँदै आएका साहित्यकार भ्रमक घिमिरेको जीवनी र व्यक्तित्वका विविध आयामहरूको अध्ययन गर्न शोधार्थी घिमिरे सफल हुनु भएको छ । यस शोधपत्रमा घिमिरेले निबन्ध सिद्धान्त र नेपाली निबन्धको ऐतिहासिक विकासक्रमको तथ्यपरक अध्ययन गरी विभिन्न कोणबाट **जीवन काँडा कि फूल** निबन्ध कृतिको विश्लेषण गर्न समर्थ हुनु भएको देखिन्छ ।

शोधार्थी सीताराम घिमिरेले यस शोधपत्रको लेखन शोधविधिका मान्यतामा रही तयार गर्नु भएकाले उहाँको लेखनबाट म पूर्ण सन्तुष्ट छु । अतः शोधार्थी घिमिरेले तयार पार्नु भएको यस शोधपत्रको आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि पाटन संयुक्त क्याम्पस, नेपाली शिक्षण समिति, स्नातकोत्तर कार्यक्रम समक्ष सिफारिस गर्दछु ।

.....
उप प्रा. माधव लम्साल
शोधनिर्देशक
पाटन संयुक्त क्याम्पस

दिनाङ्क २०६९/११/१९

त्रिभुवन विश्वविद्यालय,
मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्काय
पाटन संयुक्त क्याम्पस
नेपाली स्नातकोत्तर कार्यक्रम

मूल्याङ्कन समितिको स्वीकृति

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, पाटन संयुक्त क्याम्पस, नेपाली शिक्षण समिति, स्नातकोत्तर कार्यक्रम अन्तर्गत स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको दसौँ पत्रको प्रयोजनका लागि छात्र श्री सीताराम घिमिरेले तयार पार्नु भएको भ्रमक घिमिरेको जीवन काँडा कि फूल निबन्ध कृतिको अध्ययन शीर्षकको शोधपत्र स्वीकृत गरिएको छ :

हस्ताक्षर

सह प्रा. डा. विश्वनाथ भण्डारी
संयोजक
नेपाली स्नातकोत्तर कार्यक्रम

.....

उप प्रा. माधव लम्साल
शोधनिर्देशक
नेपाली स्नातकोत्तर कार्यक्रम

.....

सह प्रा. डा. विष्णु विभु घिमिरे
बाह्य परीक्षक

.....

प्रा. डा. जगदीशचन्द्र भण्डारी
विभागीय प्रमुख
नेपाली शिक्षण समिति
पाटन संयुक्त क्याम्पस

.....

दिनाङ्क : २०६९।१२।१८

कृतज्ञता ज्ञापन

प्रस्तुत शोधपत्र मैले त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय अन्तर्गत स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको दसौँ पत्रको प्रयोजनका लागि तयार पारेको हुँ । यो शोधपत्र तयार पार्न सहयोग र सुभावा दिई कुशल निर्देशन गर्नुभएका मेरा आदरणीय गुरु श्री माधव लम्सालप्रति म हार्दिक कृतज्ञता प्रकट गर्दछु ।

प्रस्तुत विषयमा अनुसन्धान गर्न स्वीकृति प्रदान गरी शोधपत्र लेख्ने सु-अवसर प्रदान गर्नु हुने विभागीय एवम् मूल्याङ्कन समिति, नेपाली स्नातकोत्तर कार्यक्रम, पाटन संयुक्त क्याम्पसप्रति म हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापन गर्दछु । यसैगरी शोधपत्रको तयारीका क्रममा सहयोग, सुभावा र प्रेरणा दिनु हुने नेपाली स्नातकोत्तर कार्यक्रम संयोजक आदरणीय गुरु सह प्रा. डा. श्री विश्वनाथ भण्डारीप्रति कृतज्ञ छु । शोधप्रस्तावलाई विभागीय स्वीकृति दिई शोधपत्र लेख्ने सु-अवसर प्रदान गर्नु हुने विभागीय प्रमुख प्रा. डा. श्री जगदीशचन्द्र भण्डारीप्रति कृतज्ञ छु । यस शोधपत्र लेखनका क्रममा आफ्ना अमूल्य सुभावा दिई आवश्यक सामग्री तथा मौखिक जानकारी समेत प्रदान गरी सहयोग गर्ने शोधनायिका भूमक घिमिरे लगायत उहाँका परिवारप्रति आभार प्रकट गर्दछु । यसैगरी पुस्तकालयबाट आवश्यक सामग्री प्रदान गरी सहयोग गर्ने त्रि. वि. केन्द्रीय पुस्तकालय र पाटन संयुक्त क्याम्पसको पुस्तकालयप्रति पनि म आभारी छु ।

यस महत्त्वपूर्ण कार्यमा मलाई सहयोग गर्नु हुने मेरा पूजनीय मातापिता कृष्णकुमारी घिमिरे तथा नरनाथ घिमिरेप्रति म सधैं ऋणी रहने छु । यसैगरी शोधकार्यमा निरन्तर सहयोग गर्ने मेरी श्रीमती सरस्वती घिमिरे तथा छोरा संयोग घिमिरे लगायत मेरा परिवारका अन्य सबै सदस्यहरूप्रति पनि आभारी छु । यस शोधपत्र लेखन कार्यमा प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूपले सल्लाह र सुभावा दिने साथीहरू नारायणप्रसाद रिजाल, नवराज तिमल्सिना, दीपक खनालप्रति पनि म आभारी छु । साथै यस शोधपत्रलाई छिटो छरितो र सहज रूपमा टङ्कन गर्ने प्रमिला शाक्यलाई धन्यवाद दिन चाहन्छु ।

अन्त्यमा, म यस शोधपत्रको मूल्याङ्कनका लागि पाटन संयुक्त क्याम्पस, नेपाली शिक्षण समिति, स्नातकोत्तर कार्यक्रम समक्ष प्रस्तुत गर्दछु ।

सीताराम घिमिरे

क्याम्पस रोल नं. ०४६/०६५/०६७

परीक्षा क्रमाङ्क : २२००६०

त्रि.वि दर्ता नं. ६-१-२२-४५९-९८

पाटन संयुक्त क्याम्पस, नेपाली शिक्षण

समिति, स्नातकोत्तर कार्यक्रम,

पाटनढोका, ललितपुर

२०६९

विषय-सूची

| शीर्षक | पृष्ठ सङ्ख्या |
|---------------------|---------------|
| सिफारिस पत्र | |
| स्वीकृति पत्र | |
| कृतज्ञता ज्ञापन | |
| सङ्क्षिप्त शब्दसूची | |

परिच्छेद - एक शोध परिचय

| | | |
|-----|-----------------------|---|
| १.१ | विषय परिचय | १ |
| १.२ | समस्या कथन | १ |
| १.३ | शोध कार्यको उद्देश्य | २ |
| १.४ | पूर्व कार्यको समीक्षा | २ |
| १.५ | शोध कार्यको औचित्य | ६ |
| १.६ | शोध कार्यको सीमाङ्कन | ७ |
| १.७ | शोध विधि | ७ |
| १.८ | शोध पत्रको रूपरेखा | ७ |

परिच्छेद - दुई

निबन्ध सिद्धान्त र नेपाली निबन्धको ऐतिहासिक स्थिति

| | | |
|--------|---------------------------------------|----|
| २. | परिचय | ८ |
| २.१. | निबन्धको व्युत्पत्ति र अर्थ | ९ |
| २.१.१. | निबन्ध सम्बन्धी पूर्वीय दृष्टिकोण | ९ |
| २.१.२. | निबन्ध सम्बन्धी पाश्चात्य दृष्टिकोण | १० |
| २.२. | निबन्धको परिभाषा | ११ |
| २.२.१. | पाश्चात्य विद्वानहरूका विचारमा निबन्ध | ११ |
| २.२.२. | पूर्वीय विद्वानहरूका विचारमा निबन्ध | १३ |
| २.२.३. | निबन्धको स्वरूप | १५ |
| २.३. | निबन्धका तत्वहरू | १६ |
| २.३.१. | विषयवस्तु | १७ |
| २.३.२. | शैली | १८ |
| २.३.३. | उद्देश्य | |
| | २० | |
| २.४. | निबन्धको वर्गीकरण | २१ |
| २.४.१. | आत्मपरक निबन्ध | २२ |
| २.४.२. | वस्तुपरक निबन्ध | २४ |
| २.५. | नेपाली निबन्धको विकासक्रम | २६ |
| २.५.१. | नेपाली निबन्धको इतिहास | २६ |

| | |
|---|----|
| २.५.२. प्राथमिक काल (१८३१-१९५७) | २६ |
| २.५.३. माध्यमिक काल (१९५८-१९९१) | २७ |
| २.५.४. आधुनिक काल (१९९२-हालसम्म) | २९ |
| २.५.४.१. पहिलो चरण (१९९२-२००३) | ३० |
| २.५.४.२. दोस्रो चरण (२००४-२०१९) | ३१ |
| २.५.४.३. तेस्रो चरण (२०२० देखि हालसम्म) | ३२ |
| २.६. निष्कर्ष | ३६ |

परिच्छेद - तीन
साहित्यकार भ्रमक घिमिरेको जीवनी र व्यक्तित्वका विविध आयाम

| | |
|--|----|
| ३.१ परिचय | ३९ |
| ३.१.१ शिक्षादीक्षा | ४० |
| ३.१.२ साहित्य लेखनमा प्रेरणा र प्रभाव | ४१ |
| ३.१.३ पुरस्कार, सम्मान तथा पदक | ४१ |
| ३.१.४ जीवनदर्शन | ४२ |
| ३.२. भ्रमक घिमिरेको साहित्यिक व्यक्तित्व | ४३ |
| ३.२.१ कवि व्यक्तित्व | ४३ |
| ३.२.२ लेखक व्यक्तित्व | ४४ |
| ३.२.३ कथाकार व्यक्तित्व | ४४ |
| ३.२.४ स्तम्भकार व्यक्तित्व | ४५ |
| ३.२.५ निबन्धकार व्यक्तित्व | ४५ |
| ३.३ निष्कर्ष | ४६ |

परिच्छेद - चार
जीवन काँडा कि फूल निबन्ध सङ्ग्रहमा सङ्कलित निबन्धहरूको अध्ययन र विश्लेषण

| | |
|---|----|
| ४.१ परिचय | ४७ |
| ४.२ जीवनको आरम्भमा म निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ४८ |
| ४.२.१ परिचय | ४८ |
| ४.२.२ विषय-भाव | ४८ |
| ४.२.३ संरचना-शैली | ४९ |
| ४.२.४ उद्देश्य | ५० |
| ४.३ हजुरआमा र लिङ्गभेद निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ५० |
| ४.३.१ परिचय | ५० |
| ४.३.२ विषय-भाव | ५१ |
| ४.३.३ संरचना-शैली | ५१ |
| ४.३.४ उद्देश्य | ५२ |

| | | |
|--------|--|----|
| ४.४ | अवसानपछिको अभ्यास निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ५२ |
| ४.४.१ | परिचय | ५२ |
| ४.४.२ | विषय-भाव | ५३ |
| ४.४.३ | संरचना-शैली | ५३ |
| ४.४.४ | उद्देश्य | ५४ |
| ४.५ | शून्यताभिन्न जीवन निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ५४ |
| ४.५.१ | परिचय | ५४ |
| ४.५.२ | विषय-भाव | ५४ |
| ४.५.३ | संरचना-शैली | ५५ |
| ४.५.४ | उद्देश्य | ५५ |
| ४.६ | आशाको त्यो त्यान्द्रोसम्म निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ५६ |
| ४.६.१ | परिचय | ५६ |
| ४.६.२ | विषय-भाव | ५६ |
| ४.६.३ | संरचना-शैली | ५७ |
| ४.६.४ | उद्देश्य | ५७ |
| ४.७ | आशाका किरणहरू निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ५८ |
| ४.७.१ | परिचय | ५८ |
| ४.७.२ | विषय-भाव | ५८ |
| ४.७.३ | संरचना-शैली | ५९ |
| ४.७.४ | उद्देश्य | ५९ |
| ४.८ | अक्षरसँग पलाएको हर्ष निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ५९ |
| ४.८.१ | परिचय | ५९ |
| ४.८.२ | विषय-भाव | ६० |
| ४.८.३ | संरचना-शैली | ६० |
| ४.८.४ | उद्देश्य | ६१ |
| ४.९ | शब्दको उत्सव निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ६१ |
| ४.९.१ | परिचय | ६१ |
| ४.९.२ | विषय-भाव | ६१ |
| ४.९.३ | संरचना-शैली | ६२ |
| ४.९.४ | उद्देश्य | ६२ |
| ४.१० | धामी, भक्ती र डाक्टरहरू निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ६३ |
| ४.१०.१ | परिचय | ६३ |
| ४.१०.२ | विषय-भाव | ६३ |
| ४.१०.३ | संरचना-शैली | ६४ |
| ४.१०.४ | उद्देश्य | ६५ |
| ४.११ | समाजले बुझेको सौन्दर्यभिन्न म निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ६५ |
| ४.११.१ | परिचय | ६५ |
| ४.११.२ | विषय-भाव | ६५ |
| ४.११.३ | संरचना-शैली | ६६ |

| | |
|--|----|
| ४.११.४ उद्देश्य | ६६ |
| ४.१२ टालेका पाइजामा र लाज निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ६७ |
| ४.१२.१ परिचय | ६७ |
| ४.१२.२ विषय-भाव | ६७ |
| ४.१२.३ संरचना-शैली | ६८ |
| ४.१२.४ उद्देश्य | ६८ |
| ४.१३ कापी कलम पाएको त्यो पल निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ६९ |
| ४.१३.१ परिचय | ६९ |
| ४.१३.२ विषय-भाव | ६९ |
| ४.१३.३ संरचना-शैली | ७० |
| ४.१३.४ उद्देश्य | ७० |
| ४.१४ भूतप्रेत, भगवान र विश्वास निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ७१ |
| ४.१४.१ परिचय | ७१ |
| ४.१४.२ विषय-भाव | ७१ |
| ४.१४.३ संरचना-शैली | ७२ |
| ४.१४.४ उद्देश्य | ७२ |
| ४.१५ विभेदको युद्धमा म एउटा बोझ निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ७३ |
| ४.१५.१ परिचय | ७३ |
| ४.१५.२ विषय-भाव | ७३ |
| ४.१५.३ संरचना-शैली | ७४ |
| ४.१५.४ उद्देश्य | ७४ |
| ४.१६ जातीय विभेदहरूबिच म निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ७५ |
| ४.१६.१ परिचय | ७५ |
| ४.१६.२ विषय-भाव | ७५ |
| ४.१६.३ संरचना-शैली | ७६ |
| ४.१६.४ उद्देश्य | ७६ |
| ४.१७ किशोरावस्थाका चेतना र उत्सुकता निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ७७ |
| ४.१७.१ परिचय | ७७ |
| ४.१७.२ विषय-भाव | ७७ |
| ४.१७.३ संरचना-शैली | ७८ |
| ४.१७.४ उद्देश्य | ७८ |
| ४.१८ नामसँग विद्रोह निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ७९ |
| ४.१८.१ परिचय | ७९ |
| ४.१८.२ विषय-भाव | ८० |
| ४.१८.३ संरचना-शैली | ८० |
| ४.१८.४ उद्देश्य | ८१ |
| ४.१९ ऋतुधर्म र बैस निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ८१ |
| ४.१९.१ परिचय | ८१ |
| ४.१९.२ विषय-भाव | ८१ |

| | | |
|--------|--|----|
| ४.१९.३ | संरचना-शैली | ८२ |
| ४.१९.४ | उद्देश्य | ८२ |
| ४.२० | सम्भावनाहरूको खोजी निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ८३ |
| ४.२०.१ | परिचय | ८३ |
| ४.२०.२ | विषय-भाव | ८४ |
| ४.२०.३ | संरचना-शैली | ८४ |
| ४.२०.४ | उद्देश्य | ८५ |
| ४.२१ | पुस्तक संसारमा प्रवेश निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ८५ |
| ४.२१.१ | परिचय | ८५ |
| ४.२१.२ | विषय-भाव | ८६ |
| ४.२१.३ | संरचना-शैली | ८६ |
| ४.२१.४ | उद्देश्य | ८६ |
| ४.२२ | सिर्जनाका कोपिला निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ८७ |
| ४.२२.१ | परिचय | ८७ |
| ४.२२.२ | विषय-भाव | ८७ |
| ४.२२.३ | संरचना-शैली | ८८ |
| ४.२२.४ | उद्देश्य | ८८ |
| ४.२३ | फराकिलो बाटाको यात्रा निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ८९ |
| ४.२३.१ | परिचय | ८९ |
| ४.२३.२ | विषय-भाव | ८९ |
| ४.२३.३ | संरचना-शैली | ९० |
| ४.२३.४ | उद्देश्य | ९१ |
| ४.२४ | अक्षरहरूमा जीवनको रङ निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ९१ |
| ४.२४.१ | परिचय | ९१ |
| ४.२४.२ | विषय-भाव | ९२ |
| ४.२४.३ | संरचना-शैली | ९२ |
| ४.२४.४ | उद्देश्य | ९३ |
| ४.२५ | पत्रहरूमा पन पोखिँदा निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ९३ |
| ४.२५.१ | परिचय | ९३ |
| ४.२५.२ | विषय-भाव | ९४ |
| ४.२५.३ | संरचना-शैली | ९५ |
| ४.२५.४ | उद्देश्य | ९५ |
| ४.२६ | विस्तृत जगत्तिरका पाइला निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ९६ |
| ४.२६.१ | परिचय | ९६ |
| ४.२६.२ | विषय-भाव | ९६ |
| ४.२६.३ | संरचना-शैली | ९७ |
| ४.२६.४ | उद्देश्य | ९८ |
| ४.२७ | ज्ञानको भोक र काठमाडौँ बस्ने प्रस्ताव निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ९८ |
| ४.२७.१ | परिचय | ९८ |

| | | |
|--------|---|-----|
| ४.२७.२ | विषय-भाव | ९९ |
| ४.२७.३ | संरचना-शैली | ९९ |
| ४.२७.४ | उद्देश्य | १०० |
| ४.२८ | पद्म उमेरले छेकदैन निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | १०० |
| ४.२८.१ | परिचय | १०० |
| ४.२८.२ | विषय-भाव | १०१ |
| ४.२८.३ | संरचना-शैली | १०१ |
| ४.२८.४ | उद्देश्य | १०२ |
| ४.२९ | समाजको दृष्टिमा अपाङ्गता निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | १०२ |
| ४.२९.१ | परिचय | १०२ |
| ४.२९.२ | विषय-भाव | १०२ |
| ४.२९.३ | संरचना-शैली | १०३ |
| ४.२९.४ | उद्देश्य | १०३ |
| ४.३० | स्वाभिमान र श्रम निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | १०४ |
| ४.३०.१ | परिचय | १०४ |
| ४.३०.२ | विषय-भाव | १०४ |
| ४.३०.३ | संरचना-शैली | १०५ |
| ४.३०.४ | उद्देश्य | १०५ |
| ४.३१ | धार्मिक आस्थाभिन्न मान्छे र देउताहरू निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | १०६ |
| ४.३१.१ | परिचय | १०६ |
| ४.३१.२ | विषय-भाव | १०६ |
| ४.३१.३ | संरचना-शैली | १०७ |
| ४.३१.४ | उद्देश्य | १०७ |
| ४.३२ | स्वतन्त्रता भोग्ने रहर निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | १०८ |
| ४.३२.१ | परिचय | १०८ |
| ४.३२.२ | विषय-भाव | १०८ |
| ४.३२.३ | संरचना-शैली | १०९ |
| ४.३२.४ | उद्देश्य | १०९ |
| ४.३३ | कलम र मृत्युको सन्नास निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ११० |
| ४.३३.१ | परिचय | ११० |
| ४.३३.२ | विषय-भाव | ११० |
| ४.३३.३ | संरचना-शैली | १११ |
| ४.३३.४ | उद्देश्य | ११२ |
| ४.३४ | रगताम्य समयसँग स्तब्ध मन निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ११२ |
| ४.३४.१ | परिचय | ११२ |
| ४.३४.२ | विषय-भाव | ११३ |
| ४.३४.३ | संरचना-शैली | ११३ |
| ४.३४.४ | उद्देश्य | ११४ |
| ४.३५ | सङ्कटकाल र सन्त्रस्त समय निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ११५ |

| | |
|---|-----|
| ४.३५.१ परिचय | ११५ |
| ४.३५.२ विषय-भाव | ११५ |
| ४.३५.३ संरचना-शैली | ११६ |
| ४.३५.४ उद्देश्य | ११६ |
| ४.३६ अँध्यारोबाट मुक्तिको स्वर निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ११७ |
| ४.३६.१ परिचय | ११७ |
| ४.३६.२ विषय-भाव | ११७ |
| ४.३६.३ संरचना-शैली | ११८ |
| ४.३६.४ उद्देश्य | ११८ |
| ४.३७ कान्तिपुर पब्लिकेसन्स छिउँ निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | ११९ |
| ४.३७.१ परिचय | ११९ |
| ४.३७.२ विषय-भाव | १२० |
| ४.३७.३ संरचना-शैली | १२० |
| ४.३७.४ उद्देश्य | १२१ |
| ४.३८ रङ्ग, कुची र क्यानभास निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | १२१ |
| ४.३८.१ परिचय | १२१ |
| ४.३८.२ विषय-भाव | १२१ |
| ४.३८.३ संरचना-शैली | १२२ |
| ४.३८.४ उद्देश्य | १२३ |
| ४.३९ मान्छेको दिमागमा बसेको काती निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | १२३ |
| ४.३९.१ परिचय | १२३ |
| ४.३९.२ विषय-भाव | १२४ |
| ४.३९.३ संरचना-शैली | १२४ |
| ४.३९.४ उद्देश्य | १२५ |
| ४.४० बन्दुकसँग शब्दको परेड निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | १२६ |
| ४.४०.१ परिचय | १२६ |
| ४.४०.२ विषय-भाव | १२६ |
| ४.४०.३ संरचना-शैली | १२७ |
| ४.४०.४ उद्देश्य | १२८ |
| ४.४१ धनकुटा जल्यो निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | १२९ |
| ४.४१.१ परिचय | १२९ |
| ४.४१.२ विषय-भाव | १३० |
| ४.४१.३ संरचना-शैली | १३० |
| ४.४१.४ उद्देश्य | १३१ |
| ४.४२ आस्था आँशुसँग बर्सियो निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | १३१ |
| ४.४२.१ परिचय | १३१ |
| ४.४२.२ विषय-भाव | १३२ |
| ४.४२.३ संरचना-शैली | १३३ |
| ४.४२.४ उद्देश्य | १३४ |

| | | |
|--------|--|-----|
| ४.४३ | अफठ्यारोमा जीवन र सुनगाभाको मुस्कान निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | १३४ |
| ४.४३.१ | परिचय | १३४ |
| ४.४३.२ | विषय-भाव | १३५ |
| ४.४३.३ | संरचना-शैली | १३६ |
| ४.४३.४ | उद्देश्य | १३६ |
| ४.४४ | धुम्म आकाश उघ्रिएपछि मान्छेहरू निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | १३७ |
| ४.४४.१ | परिचय | १३७ |
| ४.४४.२ | विषय-भाव | १३७ |
| ४.४४.३ | संरचना-शैली | १३८ |
| ४.४४.४ | उद्देश्य | १३९ |
| ४.४५ | द्वन्दका घाउहरू छामेको अनुभूति निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | १३९ |
| ४.४५.१ | परिचय | १३९ |
| ४.४५.२ | विषय-भाव | १३९ |
| ४.४५.३ | संरचना-शैली | १४० |
| ४.४५.४ | उद्देश्य | १४० |
| ४.४६ | जीवनका आभाहरू निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | १४१ |
| ४.४६.१ | परिचय | १४१ |
| ४.४६.२ | विषय-भाव | १४१ |
| ४.४६.३ | संरचना-शैली | १४२ |
| ४.४६.४ | उद्देश्य | १४३ |
| ४.४७ | सहमतिका हातहरू निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | १४४ |
| ४.४७.१ | परिचय | १४४ |
| ४.४७.२ | विषय-भाव | १४४ |
| ४.४७.३ | संरचना-शैली | १४५ |
| ४.४७.४ | उद्देश्य | १४५ |
| ४.४८ | जीवन काँडा कि फूल निबन्धको अध्ययन र विश्लेषण | १४६ |
| ४.४८.१ | परिचय | १४६ |
| ४.४८.२ | विषय-भाव | १४६ |
| ४.४८.३ | संरचना-शैली | १४८ |
| ४.४८.४ | उद्देश्य | १४८ |
| ४.४९ | निष्कर्ष | १४९ |

परिच्छेद - पाँच
उपसंहार

उपसंहार

१५२

सन्दर्भग्रन्थ सूची

सङ्क्षिप्त शब्दसूची

| | | |
|------------|---|------------------------|
| अप्र | : | अप्रकाशित |
| ई. | : | ईस्वी संवत |
| उप प्रा. | : | उप प्राध्यापक |
| क्र. सं. | : | क्रमसङ्ख्या |
| गा. वि. स. | : | गाउँ विकास समिति |
| चौ सं. | : | चौथो संस्करण |
| डा. | : | डाक्टर |
| ते. सं. | : | तेस्रो संस्करण |
| त्रि. वि. | : | त्रिभुवन विश्वविद्यालय |
| दो. सं. | : | दोस्रो संस्करण |
| न. पा. | : | नगरपालिका |
| प.सं. | : | पहिलो संस्करण |
| प्रा. | : | प्राध्यापक |
| पृ. | : | पृष्ठ |
| वि. सं. | : | विक्रम संवत |
| सम्पा. | : | सम्पादक |
| सह प्रा. | : | सह प्राध्यापक |
| सं. | : | संस्करण |
| सा. प्र. | : | साभ्ता प्रकाशन |